न्यूज़ टुडे

केंद्र ने टेक्निकल टेक्सटाइल्स के क्षेत्रक में दो स्टार्ट-अप्स को मंजूरी दी

- **राष्ट्रीय टेक्निकल टेक्सटाइल्स मिशन की अधिकार प्राप्त कार्यक्रम समिति ने ग्रेट (GREAT) योजना** के अंतर्गत 2 स्टार्ट-अप्स को मंजूरी दी।
- इस समिति ने **6 शिक्षण संस्थानों** को टेक्निकल टेक्सटाइल्स से **संबंधित पाठ्यक्रम शुरू** करने लिए अनुदान को भी मंजूरी दी है। यह अनुदान **"टेक्निकल टेक्सटाइल्स में शैक्षणिक संस्थानों को सक्षम बनाने के लिए सामान्य दिशा-निर्देश"** के अंतर्गत दिया जाएगा।

टेक्निकल टेक्सटाइल्स के बारे में

- **परिभाषा:** टेक्निकल टेक्सटाइल्स ऐसे वस्त्र (Textile) होते हैं, जिन्हें मुख्य रूप से उनके तकनीकी प्रदर्शन (Technical Performance) और कार्यात्मक गुणों (Functional Properties) के लिए उपयोग किया जाता है। ये वस्त्र सौंदर्य या सजावटी गुणों से युक्त नहीं होते हैं।
- इनका विनिर्माण **प्राकृतिक एवं मानव निर्मित फाइबर (नोमेक्स, केवलर, स्पैन्डेक्स** आदि) का उपयोग करके किया जाता है।
- **उपयोग:** कृषि, खेल, स्वास्थ्य, पैकेजिंग, निर्माण, एयरोस्पेस आदि में।

भारत के लिए महत्त्व

- **उभरता क्षेत्रक:** टेक्निकल टेक्सटाइल्स का बाजार **प्रति वर्ष 8-10%** की दर से बढ़ रहा है। 2021-22 में यह बाजार 21.95 बिलियन अमेरिकी डॉलर का हो गया था। इस प्रकार भारतीय टेक्निकल टेक्सटाइल्स बाजार **विश्व में पांचवां सबसे बड़ा बाजार** है।
  - यह भारत के कुल टेक्सटाइल और परिधान बाजार का **लगभग 13%** है तथा देश की **GDP में 0.7% का योगदान** देता है।
- **निर्यात क्षमता:** भारत के टेक्निकल टेक्सटाइल्स उत्पादों का **निर्यात मूल्य 2020-21 में 2.21 बिलियन अमेरिकी डॉलर** था। यह 2021-22 में बढ़कर **2.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया। इस दौरान इसमें **28.4 प्रतिशत** की वृद्धि दर्ज की गई।
- **कृषि:** बागवानी में एग्रो टेक्सटाइल्स का उपयोग करने से **कृषि उत्पादकता में 2-5 गुना की वृद्धि, पानी की खपत में 30-45% तक की कमी और उर्वरकों के उपयोग में 25-30% तक की कमी** देखने को मिलती है।

टेक्निकल टेक्सटाइल्स के लिए शुरू की गई पहलें

- **ग्रांट फॉर रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप एक्रॉस इंस्पायरिंग इनोवेशन इन टेक्सटाइल (GREAT/ ग्रेट)' योजना:** इसका उद्देश्य टेक्निकल टेक्सटाइल्स उद्योग के विकास और स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली नई प्रौद्योगिकियों, उत्पादों एवं प्रक्रियाओं के विकास में तेजी लाना है।
  - इसके तहत टेक्निकल टेक्सटाइल्स उद्योग में अग्रणी परियोजनाओं पर काम करने वाले **शोधकर्ताओं, स्टार्ट-अप्स और उद्यमियों को वित्तीय सहायता एवं संसाधन** प्रदान किए जाते हैं।
- **अन्य पहलें:** राष्ट्रीय टेक्निकल टेक्सटाइल्स मिशन, पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परिधान पार्क (मित्र) योजना आदि।

नेपाल और चीन ने 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) सहयोग फ्रेमवर्क' पर हस्ताक्षर किए

इस फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर से **नेपाल में BRI परियोजनाओं के क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त** होने की संभावना है। गौरतलब है कि **नेपाल 2017 में BRI में शामिल** हो गया था।

- साथ ही, दोनों देशों ने **ट्रांस-हिमालयन कनेक्टिविटी नेटवर्क (THMDCN)** विकसित करने और सड़क, रेलवे, एविएशन एवं पावर ग्रिड संबंधी अवसंरचना में सुधार के लिए भी प्रतिबद्धता प्रकट की।
- ज्ञातव्य है कि **पाकिस्तान** और **श्रीलंका** भी BRI में शामिल हैं।

बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) के बारे में

- **उत्पत्ति:** इसे 2013 में **'वन बेल्ट वन रोड'** के रूप में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य भूमि और समुद्री नेटवर्क के माध्यम से **एशिया को अफ्रीका व यूरोप से जोड़ना है।**
- **उद्देश्य:** क्षेत्रीय एकीकरण में सुधार करना, व्यापार बढ़ाना और आर्थिक संवृद्धि को प्रोत्साहित करना।
- **इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:**
  - **सिल्क रोड इकोनॉमिक बेल्ट:** यह एक अंतर-महाद्वीपीय मार्ग है।
  - **समुद्री रेशम मार्ग:** यह एक समुद्री मार्ग है।

BRI को लेकर भारत की प्रमुख चिंताएं

- **सुरक्षा संबंधी खतरे:** नेपाल भारत के साथ लगभग 1700 किमी की एक लंबी भूमि सीमा साझा करता है। भारत और चीन के मध्य नेपाल एक बफर जोन के रूप में स्थित है। चीन की अवसंरचना परियोजनाएं संघर्ष की स्थिति में भारतीय सीमावर्ती क्षेत्रों को और अधिक असुरक्षित बना देंगी।
  - उदाहरण के लिए- **पोखरा में चीन द्वारा वित्त-पोषित हवाई अड्डा, भारतीय सीमा के निकट है।**
- **क्षेत्रीय प्रभाव:** चीन के आर्थिक प्रभाव से नेपाल चीन के साथ राजनीतिक रूप से जुड़ सकता है। इससे भारत का क्षेत्रीय प्रभाव कमजोर हो सकता है।
  - **"स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स" रणनीति:** यह चीन की रणनीति का एक हिस्सा माना जाता है। इसका उद्देश्य चीन-समर्थक देशों से भारत को घेरना है।
  - **ऋण जाल कूटनीति (Debt Trap Diplomacy):** चीन, नेपाल पर ऋण जाल का उपयोग करके प्रभाव डाल सकता है।
- **अन्य:**
  - भारत वर्तमान में **नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और भारत सीमा-पार ऊर्जा व्यापार में भी निवेश** कर रहा है। चीन का बढ़ता प्रभाव इन व्यापारिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकता है।

प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने 'महिला श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) पर वर्किंग पेपर' प्रकाशित किया

- यह वर्किंग पेपर **महिला श्रम बल भागीदारी दर** (LFPR) का विश्लेषण करता है। इसके लिए इसने **2017-18 से 2022-23 तक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण** (PLFS) के आंकड़ों का उपयोग किया है।
  - LFPR कुल आबादी में **श्रम बल में शामिल व्यक्तियों** का प्रतिशत है। इसमें **15 वर्ष से अधिक** आयु के कार्यरत या काम की तलाश में लगे लोग या काम करने के लिए उपलब्ध लोग शामिल हैं।
- **वर्किंग पेपर के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर**
  - **वर्तमान स्थिति:** लगभग **सभी राज्यों में महिला LFPR में वृद्धि** हुई है। हालांकि, इसमें भिन्नता भी देखी गई है।
    - **ग्रामीण-शहरी भिन्नता:** ग्रामीण महिला LFPR **24.6% से बढ़कर 41.5%** हो गई है। इसमें लगभग **69% की वृद्धि** हुई है। शहरी महिला LFPR **20.4%** से मामूली रूप से बढ़कर **25.4%** हो गई है। इसमें लगभग **25% की वृद्धि** हुई है।
    - **क्षेत्रीय भिन्नता: झारखंड, बिहार** जैसे राज्यों में **महिला LFPR में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि** देखी गई है। **गोवा और लक्षद्वीप** में ग्रामीण महिला LFPR में **मामूली गिरावट** देखी गई है।
  - **महिला LFPR को प्रभावित करने वाले कारक**
    - **आयु:** महिला LFPR का वक्र **घंटी के आकार** का दिखाई देता है। इसका अर्थ है कि यह दर **20-30 वर्षों के दौरान बढ़ती है, 30-40 वर्षों के दौरान चरम पर होती है, और उसके बाद तेजी से घट** जाती है।
      - पुरुष LFPR **30-50 की उम्र तक अधिकतम (लगभग 100%) रहती** है, उसके बाद धीरे-धीरे **कम** होती जाती है।
    - **विवाह:** विवाह के कारण महिलाओं की LFPR में उल्लेखनीय कमी आती है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में यह गिरावट **शहरी क्षेत्रों में काफी अधिक** है।
    - **अभिभावकता: 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों की उपस्थिति महिला LFPR को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित** करती है। इससे विशेष रूप से युवा महिलाएं (20-35 वर्ष आयु) और शहरी क्षेत्रों की महिलाएं अधिक प्रभावित होती हैं।

महिला LFPR में सुधार के लिए शुरू की गई पहलें

- **आर्थिक सशक्तीकरण:** प्रधान मंत्री मुद्रा योजना (PMMY), स्टैंड-अप इंडिया योजना आदि योजनाएं संचालित की जा रही हैं।
- **STEM में महिलाओं को बढ़ावा देना:** विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं- किरण (WISE-KIRAN), SERB-POWER (अन्वेषणात्मक अनुसंधान में महिलाओं के लिए अवसरों को बढ़ावा देना) आदि पहलें शुरू की गई हैं।
- **कौशल विकास:** "**नमो ड्रोन दीदी**" पहल शुरू की गई है। इसका उद्देश्य 15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को ड्रोन उपलब्ध कराना है। महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं।

इसरो ने PSLV-C59 रॉकेट से यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा-3 उपग्रहों को लॉन्च किया

PSLV-C59 ने प्रोबा-3 मिशन को एक **अत्यधिक दीर्घवृत्ताकार कक्षा (Highly Elliptical Orbit)** में सफलतापूर्वक स्थापित किया है। यह **न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड** (NSIL) का एक समर्पित वाणिज्यिक मिशन था।

- इसे **श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र** (SDSC-SHAR) से लॉन्च किया गया है।
- यह **2001 में प्रोबा-1 मिशन के बाद** यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का भारत से पहला प्रक्षेपण है।
- **ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान** (PSLV) तीसरी पीढ़ी का प्रक्षेपण यान है।
  - यह चार चरणों वाला यान है, जिसमें एक से अधिक उपग्रहों को अलग-अलग कक्षाओं में स्थापित करने की क्षमता है।

प्रोबा-3 मिशन

- यह एक **इन-ऑर्बिट डेमोंस्ट्रेशन** (IOD) **मिशन है।**
- **उद्देश्य:** एक अभिनव सैटेलाइट फॉर्मेशन के माध्यम से सूर्य के कोरोना का निरीक्षण करना।
- यह विश्व का **पहला प्रिसाइज फॉर्मेशन उड़ान मिशन है।**
  - इसमें दो उपग्रह एक निश्चित दूरी बनाए रखते हुए एक साथ उड़ान भरेंगे।
    - फॉर्मेशन उड़ान द्वारा **लक्षित कक्षीय पथ को बनाए** रखा जाता है।
  - इसमें **कोरोनाग्राफ स्पेसक्राफ्ट** (CSC) **और ऑकुल्टर स्पेसक्राफ्ट** (OSC) शामिल हैं।

भारत के लिए वाणिज्यिक अंतरिक्ष प्रक्षेपणों के लाभ

- **वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी बढ़ना:** वर्तमान में, कुल वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की 2-3% हिस्सेदारी है।
- **राजस्व सृजन:** विदेशी उपग्रहों के प्रक्षेपण से भारत ने 2022 तक 279 मिलियन डॉलर से अधिक का राजस्व अर्जित किया था।
- **सॉफ्ट पावर:** वाणिज्यिक उपग्रह प्रक्षेपण को सॉफ्ट पावर का एक घटक माना जाता है।
  - इसे भू-राजनीतिक क्षेत्र में मजबूत कूटनीतिक संबंध बनाने के लिए उपयोग किया जा सकता है।
- **अन्य:** इससे प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सुगम हो सकता है, आदि।

न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के बारे में

- अंतरिक्ष विभाग ने इसरो की वाणिज्यिक गतिविधियों को संभालने के लिए **2019** में इसकी स्थापना की थी।
- इसकी प्राथमिक जिम्मेदारी **भारतीय उद्योगों को उच्च प्रौद्योगिकी आधारित अंतरिक्ष संबंधी** गतिविधियां शुरू करने में मदद करना है।
- इसके अलावा, यह इसरो को भविष्य की अंतरिक्ष गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने में भी सक्षम बनाता है।

भारत की वाणिज्यिक प्रक्षेपण क्षमता को सुगम बनाने वाली प्रमुख पहलें

- **IN-SPACe (भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र)** की स्थापना की गई है।
- **भारतीय अंतरिक्ष नीति**, 2023 लागू की गई है।
- स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस जैसे **निजी अंतरिक्ष क्षेत्रक संबंधी स्टार्ट-अप्स और उद्योगों को बढ़ावा** दिया जा रहा है।
- **लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान** (SSLV) का विकास किया गया है।

सबमरीन केबल रेसिलिएंस को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार निकाय का गठन किया गया

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) और अंतर्राष्ट्रीय केबल सुरक्षा समिति (ICPC) ने संयुक्त रूप से सबमरीन केबल रेसिलिएंस को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार निकाय का गठन किया है।

सबमरीन केबल रेसिलिएंस को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार निकाय के बारे में

- **उद्देश्य: सबमरीन (समुद्र में) केबल्स के लचीलेपन यानी रेसिलिएंस को मजबूती** प्रदान करना।
  - **सबमरीन केबल्स का क्षतिग्रस्त होना** एक आम बात है। इनमें लगभग **हर साल वैश्विक स्तर पर औसतन 150 से 200 खराबियां** होती हैं।
- **कार्य:** यह निकाय केबल रेसिलिएंस में सुधार करने, क्षति संबंधी जोखिमों को कम करने आदि के लिए सरकारों और उद्योगों के बीच सर्वोत्तम पद्धतियों को बढ़ावा देगा।
  - इसके अलावा, यह निकाय **बढ़ते यातायात, पुरानी होती अवसंरचना और पर्यावरणीय खतरों जैसे मुद्दों के समाधान के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन** भी प्रदान करेगा।
- **सदस्य:** इसके कुल **40 देश** सदस्य हैं। निकाय में अलग-अलग देशों के मंत्री, विनियामक प्राधिकरणों के प्रमुख, उद्योगों के कार्यकारी, विशेषज्ञ आदि भी शामिल हैं। **नाइजीरिया और पुर्तगाल** इस निकाय के सह-अध्यक्ष हैं।
  - इस निकाय की **वर्ष में कम-से-कम दो बार बैठक** होगी।

सबमरीन केबल क्या होती है?

- **इनके बारे में:** सबमरीन केबल समुद्र में बिछाई गई एक **फाइबर ऑप्टिक केबल** है, जो **2 या अधिक लैंडिंग बिंदुओं को जोड़ती** है।
- **ग्लोबल सबमरीन केबल नेटवर्क में भारत एक प्रमुख अभिकर्ता है:** भारत **मुंबई, चेन्नई** आदि में **14 लैंडिंग स्टेशंस पर 17 अंतर्राष्ट्रीय सबमरीन केबल्स** की मेजबानी करता है।
- **महत्त्व:** सबमरीन केबल्स **वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था का आधार** हैं।
  - **सबमरीन केबल्स 99% से अधिक अंतर्राष्ट्रीय डेटा का विनिमय** करती हैं और दुनिया भर में वाणिज्यिक व वित्तीय लेन-देन जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं को सक्षम बनाती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) के बारे में

- **मुख्यालय:** इसका मुख्यालय **जिनेवा (स्विट्जरलैंड)** में स्थित है।
- **उत्पत्ति:** इसे **1865** में स्थापित किया गया था। ITU **सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी** है।
- **कार्य:** यह **संचार नेटवर्क में अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी की सुविधा** प्रदान करता है।
  - यह **ग्लोबल रेडियो स्पेक्ट्रम और उपग्रह कक्षाएं** आवंटित करता है।
- **सदस्य: भारत** सहित **194** देश।

अंतर्राष्ट्रीय केबल सुरक्षा समिति (ICPC) के बारे में

- **उत्पत्ति:** इसे **1958** में स्थापित किया गया था। यह **सबमरीन केबल उद्योग** में सरकारों और व्यवसायों के लिए एक वैश्विक मंच है।
- **उद्देश्य:** तकनीकी, कानूनी और पर्यावरणीय जानकारी साझा करके समुद्र के नीचे केबल सुरक्षा में सुधार करना।

UGC ने (UG और PG डिग्री प्रदान करने में निर्देश के न्यूनतम मानक) विनियम, 2024 का ड्राफ्ट जारी किया

UGC ने यह ड्राफ्ट **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956** द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जारी किया है।

- प्रस्तावित बदलावों का उद्देश्य **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020** के अनुरूप विविध शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं के लिए समावेशिता और अनुकूलनशीलता को बनाए रखना तथा उच्चतर शिक्षा में वैश्विक मानकों के साथ समन्वय स्थापित करना है।

प्रस्तावित किए गए मुख्य बदलावों पर एक नजर

- **वर्ष में दो बार प्रवेश:** उच्चतर शिक्षण संस्थान (HEIs) अब वर्ष में दो बार छात्रों को प्रवेश दे सकते हैं।
- **विषयों में लचीलापन:** स्कूली शिक्षा (12वीं कक्षा) में चुने गए किसी भी विषय के बावजूद, कोई भी छात्र राष्ट्रीय/ विश्वविद्यालय स्तर की **प्रवेश परीक्षा के आधार पर किसी भी विषय में प्रवेश के लिए पात्र होगा।**
- **प्रायर लर्निंग को मान्यता (RPL):** प्रवेश RPL के आधार पर होगा। इसका तात्पर्य है कि औपचारिक शिक्षा के बाहर सीखी गई कोई लर्निंग, कार्यस्थल पर प्रशिक्षण या समुदाय में सीखे हुए ज्ञान को मान्यता दी जाएगी।
- **क्रेडिट संरचना: न्यूनतम 50% क्रेडिट संबंधित विषय** से अर्जित किए जाएंगे तथा **शेष 50% कौशल पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षुता** से अर्जित किए जाएंगे।
- **अन्य:**
  - **एक साथ दो स्नातक (UG)/ स्नातकोत्तर (PG) कार्यक्रमों** को जारी रखने की अनुमति दी गई है। साथ ही, अध्ययन का विषय/ संस्था/ शिक्षण पद्धति में **बदलाव के संदर्भ में भी लचीलापन** प्रदान किया गया है।
  - छात्रों को अपनी शैक्षिक यात्रा के अलग-अलग चरणों पर **एकाधिक प्रवेश और निकास** के विकल्प दिए गए हैं।
  - **नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (NCrF)** के अनुरूप **त्वरित डिग्री कार्यक्रम (ADP) और विस्तारित डिग्री कार्यक्रम (EDP) (बॉक्स देखें)** के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) प्रदान की गई है।

त्वरित डिग्री कार्यक्रम (ADP) और विस्तारित डिग्री कार्यक्रम (EDP) के बारे में

- ADP और EDP के तहत **केवल डिग्री की अवधि में बदलाव** किया जाता है। **पाठ्यक्रम सामग्री, कुल क्रेडिट तथा परीक्षा और मूल्यांकन प्रणाली** समान रहती है।
- यह केवल **UG स्तर** पर लागू है, और इसे केवल **प्रथम या द्वितीय सेमेस्टर के अंत** में ही चुना जा सकता है।
- ADP में शामिल होने पर छात्र **प्रति सेमेस्टर अधिक क्रेडिट अर्जित** करेंगे, जबकि EDP में वे मानक अवधि की तुलना में **प्रति सेमेस्टर कम क्रेडिट** अर्जित करेंगे।

अन्य सुर्ख़ियां

नैनो NPK उर्वरक

भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (IFFCO) ने एक नया उत्पाद, नैनो-NPK उर्वरक विकसित किया है।

नैनो NPK उर्वरक के बारे में

- इस उर्वरक में **नाइट्रोजन (N), फॉस्फोरस (P) और पोटेशियम (K)** नैनोकण के रूप में मौजूद होते हैं।
- **महत्त्व:** इससे फसलें **पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से ग्रहण** कर सकेंगी।
  - इससे **पोषक तत्वों की बर्बादी भी कम होगी और उर्वरकों की आवश्यकता भी कम** होगी।

नैनो उर्वरक

- नैनो उर्वरक ऐसे **पोषक तत्व** होते हैं, जिन्हें **नैनो मटेरियल के भीतर समाहित या लेपित** किया जाता है।
  - ये **पोषक तत्वों को नियंत्रित तरीके से मृदा में निर्मुक्त** करते हैं। उसके बाद मृदा में **इनके धीमे प्रसार को सक्षम** बनाते हैं।
- इफको ने 2021 में **दुनिया का पहला 'नैनो लिक्विड यूरिया'** उर्वरक और फिर 2023 में **नैनो-डी.ए.पी.** लॉन्च किया था।

अन्न चक्र टूल

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री ने **सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन टूल 'अन्न चक्र' तथा स्कैन (SCAN) पोर्टल** लॉन्च किया। इन्हें **PDS प्रणाली को आधुनिक बनाने** के लिए लॉन्च किया गया है।

अन्न चक्र के बारे में

- यह एक **PDS आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन उपकरण** है। यह परियोजना **अधिकतम विकल्पों की पहचान करने** और आपूर्ति श्रृंखला नोड्स में **खाद्यान्न की निर्बाध आवाजाही** सुनिश्चित करने के लिए **उन्नत एल्गोरिदम** का लाभ उठाएगी।
- यह **खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (DFPD)** की एक पहल है। इसे **विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) और IIT-दिल्ली** के सहयोग से विकसित किया गया है।
- इसे **यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (ULIP)** के माध्यम से **पी.एम. गति शक्ति प्लेटफॉर्म और रेलवे के FOIS (फ्रेट ऑपरेशंस इंफॉर्मेशन सिस्टम) पोर्टल** के साथ एकीकृत किया गया है।

SCAN (NFSA के लिए सब्सिडी दावा आवेदन) पोर्टल के बारे में

- यह पोर्टल राज्यों द्वारा सब्सिडी दावों को प्रस्तुत करने, दावों की जांच करने और त्वरित निपटान प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए DFPD द्वारा अनुमोदन हेतु एकल खिड़की प्रदान करेगा। साथ ही, यह सभी प्रक्रियाओं के शुरू से अंत तक के वर्कफ़्लो का स्वचालन भी सुनिश्चित करेगा।

कोपरनिकस कार्यक्रम

हाल ही में, **तीसरा कोपरनिकस सेंटिनल-1 उपग्रह फ्रेंच गुयाना** से लॉन्च किया गया। इसे **वेगा-सी रॉकेट** के माध्यम से लॉन्च किया गया है।

कोपरनिकस कार्यक्रम के बारे में

- यह **यूरोपीय संघ** का एक कार्यक्रम है। इसका लक्ष्य पृथ्वी का पर्यवेक्षण करना है। इस कार्यक्रम को यूरोपीय आयोग द्वारा **यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ESA), यूरोपीय संघ के सदस्य राष्ट्रों एवं यूरोपीय संघ की अन्य एजेंसियों** के साथ साझेदारी में समन्वित किया गया है।
- यह **उपग्रहों, वायुजनित डेटा एवं ग्राउंड स्टेशनों** की एक सम्मिलित प्रणाली है। यह **छह क्षेत्रकों** में निःशुल्क वैश्विक निगरानी प्रदान करती है। ये 6 क्षेत्रक हैं- **वायुमंडल, समुद्री, भूमि, जलवायु, आपातकालीन प्रतिक्रिया और सुरक्षा**।
- यह कार्यक्रम अपने **12 सेंटिनल उपग्रह समूह** के साथ विश्व की सबसे बड़ी **भू-पर्यवेक्षण** प्रणाली है।

हॉर्नबिल फेस्टिवल

हॉर्नबिल फेस्टिवल के 25 वर्ष पूरे हुए।

- **नागालैंड सरकार वर्ष 2000 से हर साल इस फेस्टिवल** का आयोजन कर रही है।

हॉर्नबिल फेस्टिवल के बारे में

- इस फेस्टिवल का नाम **हॉर्नबिल (बुसेरोस बाइकोर्निस) पक्षी** के नाम पर रखा गया है। यह पक्षी अपनी **सतर्कता और शोभा के कारण नागा जनजाति द्वारा अत्यधिक प्रशंसित व सम्मानित** है।
- इसे 'त्योहारों का त्योहार' भी कहा जाता है। यह **अंतर-जनजातीय संपर्क (नागा जनजातियों) और नागालैंड की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा** देता है।
- इसका आयोजन **कोहिमा के निकट किसामा विरासत गांव** में किया जाता है।
  - विरासत गांव का लक्ष्य **एक सामान्य प्रबंधन दृष्टिकोण के माध्यम से नृजातीय सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण** करना है।

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए मुख्य आयुक्त

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए मुख्य आयुक्त का पद पांच साल से अधिक समय से रिक्त है।

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए मुख्य आयुक्त (CCPD) के बारे में

- **पृष्ठभूमि:** दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की **धारा 74** के अनुसार केंद्र में **एक मुख्य आयुक्त और उसकी सहायता के लिए दो अन्य आयुक्तों** की नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। इन्हें **केंद्र सरकार** द्वारा नियुक्त किया जाता है।
  - इस पद को मूल रूप से **निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकार संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995** के तहत स्थापित किया गया था।
- **कार्य:** दिव्यांग व्यक्तियों के **अधिकारों की सुरक्षा** के लिए कदम उठाना।

बिजनेस 4 लैंड इनिशिएटिव

UNCCD के COP-16 में बिजनेस 4 लैंड फोरम ने संधारणीय भूमि उपयोग को बढ़ावा देने में निजी क्षेत्रक की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

- UNCCD (संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय) को **1994** में स्थापित किया गया था। यह पर्यावरण और विकास को संधारणीय भूमि प्रबंधन से जोड़ने वाला **एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।**

बिजनेस 4 लैंड फोरम (2024) के बारे में

- यह UNCCD की **मुख्य पहल** है। इसका उद्देश्य **संधारणीय भूमि और जल प्रबंधन में निजी क्षेत्रक को शामिल** करना है।
- **उद्देश्य:** 2030 तक **1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि को पुनर्बहाल** करना, **भूमि क्षरण तटस्थता (LDN) का समर्थन** करना और **सूखा प्रतिरोधकता में सुधार** करना।

भारतीय वायुयान विधेयक 2024

संसद ने **भारतीय वायुयान विधेयक, 2024** पारित किया।

- यह विधेयक 90 साल पुराने **वायुयान अधिनियम, 1934** की जगह लेगा। यह 1934 के अधिनियम में विद्यमान **अस्पष्टताओं को दूर** करेगा। ध्यातव्य है कि वायुयान अधिनियम, 1934 को अब तक **21 बार संशोधित** किया जा चुका है।

विधेयक की मुख्य विशेषताएं

- यह विधेयक **अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुरक्षा, विनियामक निरीक्षण और उपभोक्ता संरक्षण बढ़ाने पर केंद्रित** है।
- इससे **अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन से संबंधित कन्वेंशंस** को लागू करने के लिए नियम बनाने हेतु केंद्र सरकार को सशक्त बनाया जाएगा।
- **अन्य:** विधेयक के अंतर्गत **दंड के संबंध में दूसरी अपील प्रणाली की शुरुआत** की गई है। साथ ही, **कुछ नए अपराध और दंड शामिल** किए गए हैं।

एक्सपर्ट MTB/RIF अल्ट्रा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने तपेदिक (टी.बी.) के लिए एक्सपर्ट MTB/RIF अल्ट्रा नामक मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक टेस्ट को प्रीक्वालिफिकेशन प्रदान किया।

- यह परीक्षण **टी.बी. निदान और एंटीबायोटिक संवेदनशीलता परीक्षण** (Antibiotic susceptibility testing) के लिए WHO के **प्रीक्वालिफिकेशन मानकों** को पूरा करने वाला **पहला परीक्षण है।**

एक्सपर्ट MTB/RIF अल्ट्रा के बारे में

- यह बलगम के नमूनों में टीबी का कारण बनने वाले जीवाणु **माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस** की आनुवंशिक सामग्री का पता लगाता है।
- इसके साथ ही, यह परीक्षण **रिफाम्पिसिन प्रतिरोध से जुड़े उत्परिवर्तनों की पहचान** भी करता है, जो मल्टीड्रग-प्रतिरोधी टीबी का एक प्रमुख संकेतक है।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

स्लोवेनिया (राजधानी: ल्यूबल्याना)

भारत और स्लोवेनिया ने विविध क्षेत्रों में अपने वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग को मजबूत करने के लिए **फाइव इयर प्लान** की घोषणा की।

भौगोलिक अवस्थिति:

- स्लोवेनिया **मध्य यूरोप** में स्थित है।
- **भूमि सीमाएं:** इसके उत्तर में **ऑस्ट्रिया;** सुदूर उत्तर-पूर्व में **हंगरी;** पूर्व, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण में **क्रोएशिया;** तथा पश्चिम एवं दक्षिण-पश्चिम में **इटली** स्थित है।
  - **वेनिस की खाड़ी** के साथ इसकी एक महत्वपूर्ण तटरेखा लगती है।

भौगोलिक विशेषताएं:

- मुख्य रूप से इसके भूभाग में बड़े पैमाने पर **कार्स्टिक पठार और पर्वतमालाएं, विशाल खड़ी अल्पाइन चोटियां** आदि शामिल हैं।
- **प्रमुख नदियां:** सावा (डेन्यूब की एक सहायक नदी), द्रवा, मुरा आदि।
- **उच्चतम बिंदु:** माउंट ट्राईग्लाव।